भाग्यं भवति कर्मणा

आपका मासिक राशिफल माह, अगस्त, 2013

मेषः– चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ

मनोरंजक संसाधन जुटाने के प्रयास सार्थक परिणाम की ओर अग्रसर होंगे। आपका सौम्य शिष्ट व्यवहार परिजनो को राहत कारक प्रतीत होगा। जोखिमपूर्ण निर्णय लेने की प्रवृतियां मनः स्थिति को प्रभावित करेंगी। औद्योगिक क्षेत्र से जुड़े हुये क्रिया–कलाप सरलता के साथ सम्पन्न होंगे। आंशिक लाभदायक यात्रा प्रकरणों की अधिकता रहेगी। माह की शुरुआत मे राजनैतिक जनसम्पर्कों से लाभ प्राप्त होगा। तारीख 3, 4, 5, 10, 11, 12, 13, 14 शुभ है। अरिष्ट निवारण के लिये रात को तांबे के पात्र मे पानी रखें और सुबह पियें लाभ प्राप्त होगा।

प्रातः कालीन ग्रह स्थिति – 01 अगस्त

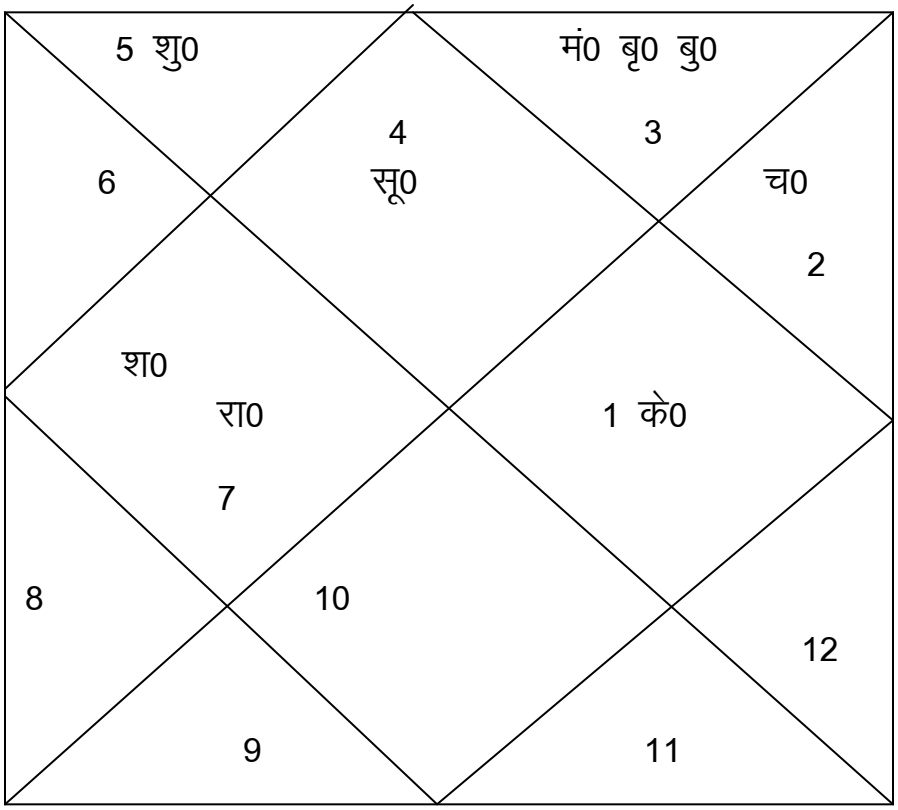

वृषः– ई, ऊ, ऐ, ओ, वा, वी, वू, वे, वो

माह का प्रारम्भिक सप्ताह स्वास्थ्य के दृष्टिाकोण से अति उत्तम है। आप द्वारा धन लाभ प्राप्त करने की कार्ययोजनायें लाभ मार्ग की ओर अग्रसर होंगी। अनचाही यात्राओं के सुअवसर भी आ सकते हैं। प्रिय वचन बोलकर पारिवारिक सदस्यों का मन जीत लेंगे। विरोधियों के ऊपर भी मानसिक दबाव बनाने मे कामयाब सिद्ध होंगे। माह के दूसरे सप्ताह मे मनोरंजन, कर, व्यापार आदि मे लाभ मार्ग की ओर अग्रसर होंगे। माह के तीसरे सप्ताह मे राजकीय कार्यों मे संलग्नता बड़ेगी। वित्तीय मामलो मे आंशिक लाभ की स्थिति बनेगी। तारीख 1, 2, 5, 6, 7, 12, 13, 14 उत्तम है। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ भद्रगुणायनमः मन्त्र का जप 108 बार करना हितकर होगा।

मिथुनः– का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, हा

दूसरो की शिकायत दर्ज कराने की प्रकिया आप को विवादित बना सकती है। समय–समय पर सौम्यता तथा कठोरतम भाषा शैली का प्रयोग आप द्वारा होगा। स्त्री पक्ष के सहयोगी रुख के चलते विद्या अध्ययन क्षेत्र मे आ रही विध्न बाधायें समाप्त होगी। सार्थक और निरर्थक दोनो प्रकार के कार्यों मे व्यय भार के अतिरिक्त श्रोत निर्धारित होंगे। अनायास वित्तीय कार्यों मे प्रगति पथ निर्धारित हो सकते हैं। जीवन संगिनी के साथ वार्तालाप मे अप्रिय भाषा–शैली का प्रयोग न करें। व्यापार मे आंशिक लाभ की स्थिति बनती प्रतीत होगी। प्रबल धार्मिक आस्था जाग्रत रहेगी। तारीख 2, 3, 4, 8, 9, 10, 14, 15, 16 प्रगति कारक है। अरिष्ट निवारण हेतु ऊँ बन्ध विमोचकाय नमः मन्त्र का जप 108 बार करना हितकर सिद्ध होगा।

कर्कः– ही, हू, हे, डा, डी, डू, डे, डो, हो

इस माह मे आप प्राकृतिक रुप से सौन्दर्य प्रेमी रहेंगे। व्यक्तित्व मे बेहद निखार आयेगा। खान–पान मे तरल पदार्थ, मिष्ठान आदि का अधिकाधिक सेवन बढ़ेगा। आय और व्यय के मध्य मे बेहतर सन्तुलन स्थापित करने मे सफल होंगे। बातचीत मे सामान्य शिष्टाचार की झलक माह के प्रत्येक दिन प्रतीत होगी। माह का प्रथम सप्ताह मनोरंजन, सिनेमा आदि की भेंट चढ़ सकता है। भोग विलास, हास परिहास के पर्याप्त सुअवसर भी उपलब्ध होंगे। शीत विकार, ज्वर आदि से सावधानी बरतना हितकर प्रतीत होगा। उपहार लाभ प्राप्त होने की संभावना है। तारीख 1, 2, 5, 6, 7, 10, 11, 12 शुभकारक है। अरिष्ट निवारण हेतु घर मे पानी की टंकी का निर्माण न करायें बेहतर होगा। स्थायी लाभ मिलेगा।

सिंहः– मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे

राजद्वारीय मामलो मे अनापेक्षित सफलता प्राप्त होगी। आप द्वारा पूरे माह अधिकाधिक पेय पदार्थों का सेवन बढ़ सकता है। स्थायी लाभ से सम्बन्धित कार्य योजनायें कारगर रुप लेती प्रतीत होंगी। जनहितार्थ कार्यों मे आपकी संलग्नता विशेष सामाजिक ख्याति अर्जित का वातावरण बनायेगी। माह का पहला सप्ताह सभी दृष्टिकोणों से अति उत्तम प्रतीत होगा। आर्थिक लेन–देन के प्रकरण आपको लाभान्वित कर सकते हैं। सच और झूठ की कसौटी पर सत्य का पक्ष अधिक मजबूत प्रतीत होगा। सार्थक कार्यों मे खर्च की अधिकता भी प्रतीत होगी। धार्मिक मामलो मे उदासीनता का रुख मनः स्थिति को परिवर्तित करेगा। तारीख 1, 2, 3, 4, 7, 8, 9, 10 प्रगतिकारक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ अरुणाय नमः मन्त्र का जप 108 बार करना उत्तम प्रतीत होगा।

कन्याः– टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो

भोग, विलास, सौन्दर्य प्रसाधन सामग्री की खरीद फरोख्त से व्यय भार के अतिरिक्त श्रोतों का निर्धारण होगा। स्त्री पक्ष की ओर से आपकी मानसिक परेशानी बढ़ सकती है। रोजी–रोटी के संसाधन जुटाने के प्रयास लाभ मार्ग की ओर अग्रसर होंगे। आप मे कर्मवादी व्यक्तित्व की प्रधानता है अतः अपने बिगड़े हुये कार्यों से निराश न हों बेहतर होगा। माह का प्रथम सप्ताह लाभकारक कार्य योजनाओं के लिये अच्छा है। व्यवसाय की दशा तथा दिशा निर्धारित होगी। ग्रहस्थ जीवन के अनुभव भी सुखद प्रतीत होंगे। साहसिक क्रिया–कलापों से सम्बन्धित मामलो मे निर्णय क्षमता का विकास होगा। तारीख 3, 4, 5, 6, 7, 10, 11, 12 प्रगति कारक प्रतीत होगी। अरिष्ट निवारण के लिये दुर्गा चालीसा, दुर्गा सप्तशती का पाठ करना बेहतर प्रतीत होगा। लाभ प्राप्त होगा।

तुलाः– रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते

कैरियर की दिशा के लिये गये निर्णय सही दिशा की ओर जाते प्रतीत होंगे। शासन–प्रशासन से जुड़ी गतिविधियां निर्णायक मोड़ पर पहुंच सकती हैं। कर्म करते रहें लाभ मे रहेंगे। जीवन संगिनी का सौम्य शिष्ट व्यवहार ग्रहस्थ आश्रम की प्रगति का सूचक सिद्ध होगा। खान–पान मे तीखे, कसैले पदार्थ ही रुचिकर प्रतीत होंगे। अनिच्छा से किये गये कार्य मानसिक संताप का वातावरण बनायेंगे। स्त्री वर्ग से सामाजिक सदयोग प्राप्त करने मे सफल सिद्ध होंगे। माह के पहले सप्ताह मे आजीविका से जुड़ी गतिविधियों मे लाभदायक स्थिति निर्मित होंगी। अध्ययन लेखन आदि मे कठिनाइयां आयेंगी। तारीख 5, 6, 7, 8, 9, 10 शुभ कारक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण के लिये शुक्रवार का व्रत करे तथा सफेद वस्तुओं का दान करें। लाभ प्राप्त होगा।

वृश्चिकः– तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू

धार्मिक रमणीक यात्राओं का आवागमन मन को नवीन स्फूर्ति प्रदान करने वाला सिद्ध होगा। जीवन साथी के साथ बिताया गया माह यादगार प्रतीत होगा। माह की शुरुआत मे व्यापारिक कार्यक्रमो को अंजाम देने मे सफल सिद्ध होंगे। यातायात के साधनो के प्रयोग के सावधानी बरतना हितकर सिद्ध होगा। धार्मिक व्यक्तियों और महिलाओं के सहयोग के चलते राजद्वारीय मामलो मे प्रगति के मार्ग की ओर अग्रसर होंगे। खान–पान मे असावधानी पेट सम्बन्धी रोगों की जन्मदाता बन सकती है। कुसंगति से सावधान रहकर मानसिक परेशानी तथा खर्च की अधिकता से अपने आप को बचा सकते हैं। तारीख 7, 8, 9, 10, 11, 12, 14, 15, 16 उत्तम सूचक है। अरिष्ट निवारण के लिये हनुमान चालीसा का नित्य पाठ करना लाभदायक प्रतीत होगा।

धनुः– ये, यो, भा, भी, भू, ध, फ, ढ़, भे

विरोधियों के साथ भी मैत्री पूर्ण सम्बन्ध स्थापित करने की मानसिकता मन से बाहर आ सकती है। धार्मिक कार्यों मे प्रगतिशील स्थितियां निर्मित होंगी। क्रय–विक्रय सम्बन्धी कामकाज आंशिक कठिनाइयों के साथ सम्पन्न होंगे। ग्रहस्थ जीवन धीरे–धीरे खिसकता प्रतीत होगा। भूमि सम्बन्धी कार्य स्थायी लाभ की ओर अग्रसर होंगे। यात्रा के दौरान सतर्कता बरतना आवश्यक है। राजद्वारीय मामलो मे आपेक्षित सफलता प्राप्त होगी। भोजन व्यवस्था को विस्तार रुप देने मे सफल होंगे। कैरियर विशेष टेक्नीकल क्षेत्र मे प्रगतिशील स्थितियों का निर्धारण होगा। माह का प्रथम सप्ताह व्यवसायिक मामलो मे लाभप्रद सिद्ध होगा। तारीख 1, 2, 3, 4, 10, 11, 12 शुभ है। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ सदानन्दाय नमः मन्त्र का जप 108 बार करना शुभ होगा।

मकरः– भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी

जीवन साथी की व्यवहारिक सोच ग्रहस्थ जीवन को बेहतर बनाये रखने का काम करेगी। शत्रु संख्या मे लगातार वृद्धि मानसिक अवसाद की स्थिति तक पहुंच सकती है। शनि और चन्द्रमा मे षडाष्टक योग, पिता तथा सन्तान के स्वास्थ्य को प्रभावित करेगा। कैरियर की दिशा मे किये गये कार्य सफलता की ओर इशारा करते हैं। माह का प्रथम सप्ताह ग्रहस्थ जीवन, व्यापार के लिये बेहतर प्रतीत होगा। खर्च को नियन्त्रण मे रखना आपके लिए आवश्यक है। शिक्षा प्रतियोगिता की दिशा मे किये गये प्रयास सार्थक परिणाम की ओर अग्रसर होंगे। समय–समय पर हास परिहास की परिस्थितियां निर्मित होती रहेंगी। तारीख 3, 4, 5, 6, 7, 12, 13, 14 प्रगतिकारक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण हेतु ऊँ छाया पुत्रायनमः मन्त्र का जप 108 बार करना हितकर रहेगा। लाभ प्राप्त होगा।

कुम्भः– गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा

हास–परिहास मनोरंजन आदि की परिस्थितियां निर्मित होंगी। जीवन साथी के साथ बिताया गया समय यादगार साबित हो सकता है। राजकीय कामकाज सुगमता के साथ सम्पन्न होंगे। सामाजिक क्रिया–कलापों मे आपकी संलग्नता पूरे माह बरकरार रहेगी। यदि आप सौन्दर्य प्रसाधन सम्बन्धी कारोबार मे हैं तो पूरा माह आपके लिये बेहतर प्रतीत होगा। विधिक एवं न्यायिक सेवा से जुड़े कार्य सफलता की ओर इशारा करते हैं। धार्मिक मामलो मे उदासीनता का रुख प्रतीत होगा। तारीख 5, 6, 7, 8, 9, 10, 16, 17 शुभ कारक है। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ वज्रदेहाय नमः मन्त्र का जप करना हितकर प्रतीत होगा। लाभान्वित रहेंगे।

मीनः– दी, दू, थ, झ, अ, दे, दो, चा, ची

संतान पक्ष को शीत विकार, ज्वर आदि का सामना करना पड़ सकता है। माह का प्रथम सप्ताह उच्च शिक्षा के दृष्टिकोण से अति उत्तम प्रतीत होगा। दूसरे सप्ताह मे व्यापारिक कार्यों मे प्रगति सूत्र स्थापित होंगे। अनचाही यात्रायें भी मानसिक तनाव का वातावरण बनायेंगी। विपक्षियें को भी आपका सरलता, सहजता भरा व्यवहार सोचने के लिये विवश करेगा। माह का तीसरा सप्ताह शासन–प्रशासन सम्बन्धी कामकाज के लिये अति उत्तम प्रतीत होगा। वित्तीय कार्य योजनायें भी गतिशीलता की ओर अग्रसर होंगी। तारीख 1, 2, 7, 8, 9, 10, 11, 12 प्रगति कारक सिद्ध होगी। अरिष्ट निवारण के लिये ऊँ धर्मपालनाय नमः मन्त्र का जप 108 बार करना हितकर सिद्ध होगा।

माह के व्रत पर्व और त्यौहारः–

1. कामदा एकादशी व्रतम् सर्वेषाम्, 2 अगस्त, शुक्रवार।
2. प्रदोष त्रयोदशी व्रतम्, 04 अगस्त, रविवार।
3. स्नान दान और श्राद्ध की अमावस्या, पिठौरा अमावस्या, पुष्कर पर्व अमावस्या, हरियाली अमावस्या, 06 अगस्त, मंगलवार।
4. चन्द्रदर्शन, मु0 30 समताकारक स्वामी करपात्रीजी जयन्ती, 08 अगस्त, बृहस्पतिवार।
5. मधुश्रवातीज, स्वर्ण गौरी तृतीया व्रतम्, हरियाली तीज, ठकुराइन जयन्ती (गुजरात), सुकृत तृतीया व्रतम्, 09 अगस्त, शुक्रवार।
6. श्री वैनायकी गणेश चतुर्थी व्रतम्, रवियोग रात्रि मे 10 बजकर 26 मिनट तक, 10 अगस्त, शनिवार।
7. नाग पंचमी, तक्षक पूजा पंचमी, 11 अगस्त, रविवार।
8. शीतला सप्तमी, गोस्वामी तुलसीदास जयन्ती, मंगला गौरी पूजा, 13 अगस्त, मंगलवार।
9. छुग्प्र अष्टमी, मनसा पूजा (बंगाल), बुधाष्टमी, 14 अगस्त, बुधवार।

10. कौमारी नवमी व्रतम्, सत्तू नवमी, स्वतन्त्रता दिवस, रवियोग सम्पूर्ण दिन, 15 अगस्त, बृहस्पतिवार।
11. रात्रि मे 01 बजकर 27 मिनट से पंचक प्रारम्भ, 16 अगस्त, शुक्रवार।
12. पुत्रदा एकादशी व्रतम्, सर्वेषाम्, 17 अगस्त, शनिवार।
13. मंगला गौरी पूजा, व्रत की पूर्णिमा, रक्षा बन्धन, 20 अगस्त, मंगलवार।
14. स्नान दान की पूर्णिमा, रक्षाबन्धन, श्रावणी संस्कृत दिवस, 21 अगस्त, बुधवार।
15. अशून्य शयन द्वितीया, कजली तीज निर्मित रतजग्गा, बलदेव जयन्ती, विन्ध्यांचली और भी मचन्डी देवी जयन्ती द्वितीया, 22 अगस्त, बृहस्पतिवार।
16. कजली तीज विशालाक्षी यात्रा द्वितीया, गो पूजा तृतीया, 23 अगस्त, शुक्रवार।
17. श्री संकष्ठी गणेश चतुर्थी व्रतम्, बहुला चौथ, चन्द्रोदय रात्रि मे 08 बजकर 34 मिनट पर, 24 अगस्त, शनिवार।
18. श्री कृष्ण जन्माष्टमी व्रतम् सर्वेषाम्, कालाअष्टमी, 28 अगस्त, बुधवार।
19. श्री कृष्ण जनमाष्टमी, (नक्षत्रोपासक), 29 अगस्त, बृहस्पतिवार।

पंडित आनंद अवस्थी

पं0 आनन्द अवस्थी : पटेल नगर कालोनी बछरावां,
रायबरेली डी–79, साउथ सिटी, लखनऊ, लखनऊ एम0बी0 नं0– 9450460208
Website- www.aarshjyotish.in, ----E-mail :
panditanandawasthi@aarshjyotish.in